ISSN(Online): 2319-8753
ISSN (Print): 2347-6710

International Journal of Innovative Research in Science, Engineering and Technology
(A High Impact Factor & UGC Approved Journal)
Website: www.ijirset.com
Vol. 6, Issue 8, August 2017

चौमू तहसील (जिला जयपुर) में जनसांख्यिकी प्रतिरूप का भौगोलिक अध्ययन

डॉ. सुरेन्द्र कुमार सैनी
सह–आचार्य, भूगोल विभाग
आर. एल. एस. राजकीय महाविद्यालय, कालाडेरा, जयपुर, राजस्थान

सारांश

भौगोलिक अध्ययन में जनसंख्या का महत्वपूर्ण स्थान होता है, इसका कारण यह है कि मानव भी एक भौगोलिक तत्व एवं राष्ट्र का संसाधन होता है। मानवीय संसाधन का मुख्य आधार मानव स्वयं ही है क्योंकि धरातल पर सभी गतिविधियों का केन्द्र बिन्दु मानव स्वयं है। मानव अपनी विभिन्न आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु विभिन्न क्रियाएँ कर प्राकृतिक एवं जैविकीय संसाधनों का उपयोग करता है। दूसरी ओर समाज में रहकर मानव विभिन्न सामाजिक व राजनैतिक क्रियाएँ कर क्रियाशील मानव की भूमिका निभाता है। इस प्रकार मानव अपनी संस्कृति के विकास के क्रम में आर्थिक, सामाजिक व राजनैतिक क्रियायें कर नये समाज का निर्माण करता है। इन सभी के लिए मानव–भूमि, जल, मिट्टी, खनिज पदार्थों, वनस्पति और जीव–जन्तुओं आदि संसाधनों का उपयोग करता है । इनसे उत्पादन, कृषि, पशुपालन, उद्योग, व्यापार आदि क्रियाएँ कर अपनी सांस्कृतिक, सामाजिक, आर्थिक एवं राजनैतिक जीवन का विकास करता है। प्रस्तुत शोध–पत्र में जयपुर जिले की चौमू तहसील में जनसंख्या के वितरण प्रारूप का विस्तृत वर्णन करने का प्रयास किया गया है जिसके अंतर्गत तहसील में जनसंख्या की वृद्धि, व्यावसायिक संगठन, अनुसूचित जाति एवं जनजाति की जनसंख्या एवं साक्षारता आदि पहलुओं का विवरण प्रस्तुत किया गया है।

मूल बिन्दु : जनसंख्या, मानवीय गतिविधियां, व्यावसायिक संगठन

ISSN(Online): 2319-8753
ISSN (Print): 2347-6710

International Journal of Innovative Research in Science, Engineering and Technology
(A High Impact Factor & UGC Approved Journal)
Website: www.ijirset.com
Vol. 6, Issue 8, August 2017

परिचय :

जनसंख्या किसी भी क्षेत्र के लिए अति महत्वपूर्ण संसाधन होती है, किसी क्षेत्र का सर्वांगीण विकास उस क्षेत्र विशेष की जनसंख्या पर ही निर्भर करता है। जनसंख्या किसी भी क्षेत्र में विकास का द्योतक होती है। जनसंख्या वितरण पर उच्चावच, जलवायु, मिट्टी, धरातल, जलापूर्ति, आर्थिक संसाधन (परिवहन, खनिज), सामाजिक–सांस्कृतिक आदि कारक प्रभावित करते हैं। जनसांख्यिकी, मानव जनसंख्या का सांख्यिकीय अध्ययन है। यह एक बहुत सामान्य विज्ञान हो सकता है जिसे किसी भी तरह की गतिशील मानव आबादी पर लागू किया जा सकता है, अर्थात् ऐसी आबादी जो समय और स्थान के साथ–साथ परिवर्तित होती है इसमें जनसंख्या के आकार, संरचना और वितरण और जन्म, प्रवास, वय वृद्धि और मृत्यु के सन्दर्भ में स्थानिक– कालिक परिवर्तन का अध्ययन शामिल किया जाता है। जनांकिकी शब्द को अक्सर जनसांख्यिकी के संदर्भों में इस्तेमाल किया जाता है, जबकि वास्तव में दोनों शब्द आपसे में भिन्नता लिए हुये है। जनसांख्यिकीय अध्ययन के विश्लेषण को शिक्षा, राष्ट्रीयता, धर्म और जातीयता जैसे मानदंडों के आधार पर विभाजित पूरे समाज पर या समूहों पर लागू किया जा सकता है। शिक्षण क्षेत्र में, जनसांख्यिकी को अक्सर समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र अथवा मानव–विज्ञान की एक शाखा के रूप में माना जाता है। औपचारिक जनसांख्यिकी के अध्ययन का लक्ष्य, जनसंख्या की प्रक्रियाओं के मापन तक सीमित है, जबकि सामाजिक जनसांख्यिकी जनसंख्या अध्ययन का अधिक व्यापक क्षेत्र, एक जनसंख्या को प्रभावित करने वाले आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और जैविक प्रक्रियाओं के बीच संबंधों का विश्लेषण करता है।

ISSN(Online): 2319-8753
ISSN (Print): 2347-6710

IJIRSET

International Journal of Innovative Research in Science, Engineering and Technology
(A High Impact Factor & UGC Approved Journal)
Website: www.ijirset.com
Vol. 6, Issue 8, August 2017

उद्देश्य :

प्रस्तुत अध्ययन के निम्नलिखित उद्देश्य है–

1. चौमू तहसील में जनसंख्या के वितरण का विश्लेषण करना
2. तहसील में जनसंख्या वृद्धि के स्वरूप का अध्ययन करना
3. तहसील में जनसंख्या के व्यावसायिक संगठन का विश्लेषण करना

आंकड़ो के स्रोत एवं विधि तंत्र :

प्रस्तुत शोध–पत्र द्वितीयक आंकड़ों का संग्रहण कर तैयार किया गया है। आंकड़ो का संग्रहण चौमू तहसील स्थित विभिन्न सरकारी एवं गैर–सरकारी कार्यालयों से विभिन्न प्रकार की रेपोर्ट्स यथा ब्लॉक सांख्यिकी रूपरेखा, चौमू, जिला सांख्यिकीय रूपरेखा, जिला जयपुर आदि के द्वारा किया गया है। उपरोक्त रेपोर्ट्स से आंकड़ों का चयन कर उन्हे सारणी में तब्दील कर विश्लेषण किया गया है।

महत्वपूर्ण साहित्यों की समीक्षा :

1. S. A. Qazi and Shabir Qazi "Population Geography" – यह पुस्तक 14 अध्यायों में विभाजित है। इस पुस्तक में लेखक का उद्देश्य वर्तमान समय में जनसंख्या के बीच वृहत अन्तर को समझाते हुए बढ़ती जनसंख्या से उत्पन्न विभिन्न समस्याओं को विश्लेषित कर उनके समाधान हेतु उपाय खोजना है। लेखक स्वयं जनसंख्या के सामाजिक, आर्थिक एवं स्थानिक तथ्यों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध करवाने की आवश्यकता महसूस करता है। इस पुस्तक में लेखक ने विश्व में जनसंख्या प्रवृति को नवीन तरीके से समझाने का प्रयास किया है।

ISSN(Online): 2319-8753

ISSN (Print): 2347-6710

IJIRSET

International Journal of Innovative Research in Science, Engineering and Technology

(A High Impact Factor & UGC Approved Journal)

Website: www.ijirset.com

Vol. 6, Issue 8, August 2017

2. Mohammed I. H. (2005) " Population Geography" – इस पुस्तक में लेखक ने जनसंख्या से जुड़े भौगोलिक आंकडें चयनित रूप से देने का प्रयास किया हैं। जिसमें आयु, लिंगानुपात, साक्षरता, वैवाहिक स्तर, जन्म–मृत्यु एवं पलायन को शामिल किया है। प्रत्येक विषय पर चर्चा पृथक रूप से वैश्विक परिदृश्य को ध्यान में रखकर की गई है और भारत के साथ इसका सहसम्बन्ध करने का प्रयास किया गया है। इस पुस्तक को 2 इकाईयों में विभाजित किया गया है। जिनके नाम क्रमशः जनसंख्या नीतियाँ एवं जनसंख्या विकास है।

3. Rangarajan M. (2008) "Environmental Issues in India" – यह पुस्तक समालोचकों एवं आम पाठकों दोनों की उद्देशित शिक्षित एवं सोचने पर मजबूर करने के उद्देश्य से लिखी गई है। इस वॉल्यूम की उपयोगिता एक कार्यशाला जो इतिहास विभाग से संबंधित है, में सिद्ध हो चुकी है।

4. Hussain M. (2008) "World Geography" – संसार का भूगोल विषय पर पुस्तक की संरचना या संकलन करने के कई तरीके है। गहरी एवं जटिल सामग्री को सरल एवं सुव्यवस्थित करने के उद्देश्य से इस पुस्तक को वर्णमाला के अनुसार संयोजित करने का प्रयास किया गया है तथा पूरी पुस्तक में क्रमिक एवं सुव्यवस्थित तरीके से विभिन्न देशों के भूगोल को विश्लेषित किया गया है।

चौमू तहसील में जनसंख्या का वितरण :

चौमू तहसील में जनसंख्या के वितरण को देखें तो प्राप्त आंकड़ो के अध्ययन से ज्ञात होता है की वर्ष 2001 से वर्ष 2011 के मध्य तहसील में जनसंख्या में परिवर्तन देखने को मिलता है। तहसील में वर्ष 2001 एवं वर्ष 2011 में जनसंख्या के विवरण को निम्न तालिका में दर्शाया गया है।

ISSN(Online): 2319-8753

ISSN (Print): 2347-6710

IJIRSET

International Journal of Innovative Research in Science, Engineering and Technology

(A High Impact Factor & UGC Approved Journal)

Website: www.ijirset.com

Vol. 6, Issue 8, August 2017

तालिका संख्या 01 चौमू तहसील में जनसंख्या का वितरण 2011,2011

जनगणना वर्ष	कुल जनसंख्या	पुरूष	स्त्री
2001	275780	143709	132071
2011	395009	205667	189342

स्रोतः ब्लॉक सांख्यिकी रूपरेखा, चौमू–2016

उपरोक्त तालिका के अध्ययन से ज्ञात होता है की चौंमू तहसील में वर्ष 2001 में कुल जनसंख्या 275780 थी जिसमें 52.1 प्रतिशत पुरूष एवं 47.9 प्रतिशत महिलाऐं तथा 2011 में जनसंख्या 3,95,009 हो गयी है, जिसमें 52 प्रतिशत पुरूष एवं 48 प्रतिशत महिलाओं की भागीदारी है। इस जनसंख्या का वितरण चौंमू तहसील के सभी गांवों में समान नही है। जनांकिकीय विश्लेषण 2011 की जनगणना के अनुसार, चौमूँ तहसील में 60737 घर हैं, जिनकी जनसंख्या 395009 है, जिनमें से 205667 पुरुष और 189342 महिलाएं हैं। 0–6 आयु वर्ग के बच्चों की जनसंख्या 58418 है जो कुल जनसंख्या का 14. 79 प्रतिशत है। इसी प्रकार यदि तहसील में लिंगानुपात के आंकड़ो पर दृष्टि डालें तो पता चलता है की चौमूँ तहसील का लिंगानुपात 928 की तुलना में लगभग 921 है जो राजस्थान राज्य का औसत है। चौमूँ का कुल क्षेत्रफल 680.77 वर्ग किमी है और जनसंख्या घनत्व 580 प्रति वर्ग कि.मी. है। चौमू तहसील में ग्रामीण एवं शहरी जनसंख्या का आंकलन करने पर ज्ञात होता है की तहसील में कुल जनसंख्या में से 81.73 प्रतिशत जनसंख्या शहरी क्षेत्र में तथा 18.27 प्रतिशत ग्रामीण क्षेत्र में निवास करती है। चौमूँ तहसील में कुल जनसंख्या का 11.8 प्रतिशत अनुसूचित जाति (एससी) और 5.06 प्रतिशत अनुसूचित जनजाति (एसटी) है।

ISSN(Online): 2319-8753
ISSN (Print): 2347-6710
IJIRSET
International Journal of Innovative Research in Science, Engineering and Technology
(A High Impact Factor & UGC Approved Journal)
Website: www.ijirset.com
Vol. 6, Issue 8, August 2017

तहसील में शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जनसंख्या का विवरण :

निम्न तालिका में तहसील में विभिन्न वर्गो के अन्तर्गत जनसंख्या के विवरण को दर्शाया गया है। तालिका के अध्ययन से ज्ञात होता है कि वर्ष 2011 में तहसील की कुल जनसंख्या में से 72152 लोग शहरी क्षेत्रो में निवास करते थे जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करने वाले लोगों की संख्या 322857 थी। इस वर्ष तहसील में 0 से 6 वर्ष तक की आयु वाले बालको की संख्या 58418 थी, जिसमें से 10050 शहरी क्षेत्र में जबकि 48368 ग्रामीण क्षेत्र में निवास करते है।

तालिका संख्या 02 तहसील में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति–2011

वर्ग	कुल जनसंख्या	पुरूष	स्त्री
अनुसूचित जाति	46619	24357	22262
अनुसूचित जनजाति	19993	10380	9613

स्रोतः ब्लॉक सांख्यिकी रूपरेखा, चौमू–2016

इसी प्रकार तहसील में अनुसूचित जनजाति की जनसंख्या ग्रामीण क्षेत्रों में शहरी क्षेत्रों की तुलना में अधिक पायी गई है एवं अनुसूचित जाति के संदर्भ में भी यह स्थिती पायी गई है। तहसील में ग्रामीण क्षेत्र में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति की संख्या क्रमशः 39317 एवं 18825 पायी गई है। जबकि तहसील के शहरी क्षेत्र में अनुसूचित जाति की जनसंख्या 7302 एवं अनुसूचित जनजाति की जनसंख्या 1168 पायी गई है। इसी प्रकार साक्षरता के आंकड़ो को तहसील के संदर्भ में देखें तो वर्ष 2011 के आंकड़ो के अनुसार तहसील में ग्रामीण क्षेत्र में साक्षरता का प्रतिशत 71.52 है। जबकि नगरीय क्षेत्रों में यह प्रतिशत 79.39 है।

ISSN(Online): 2319-8753

ISSN (Print): 2347-6710

IJIRSET

International Journal of Innovative Research in Science, Engineering and Technology

(A High Impact Factor & UGC Approved Journal)

Website: www.ijirset.com

Vol. 6, Issue 8, August 2017

तालिका संख्या : 03

चौंमू तहसील में शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जनसंख्या का विवरण

विवरण	कुल	शहरी	ग्रामीण
जनसंख्या	395,009	72,152	322,857
0–6 वर्ष तक के बच्चे	58,418	10,050	48,368
अनसुचित जाति	46,619	7,302	39,317
अनुसुचित जनजाति	19,993	1,168	18,825
साक्षरता	72.97%	79.39%	71.52%
लिंगानुपात	921	908	923

स्रोतः ब्लॉक सांख्यिकी रूपरेखा, चौमू–2016

जनसंख्या की व्यावसायिक संरचना :

किसी भी क्षेत्र में निवास करने वाली जनसंख्या का व्यावसायिक संगठन कैसा है। इसका प्रत्यक्ष प्रभाव उस क्षेत्र के विकास पर पड़ता है। चौंमू तहसील में जनसंख्या के व्यवसाय अनुसार वितरण को तालिका संख्या 4 में दर्शाया गया है। तालिका के अध्ययन के उपरांत स्पष्ट होता है कि वर्ष 2011 की जनगणना के आंकड़ों के अनुसार तहसील में मुख्य कार्यशील जनसंख्या 129667 है, जिसमें से शहरी क्षेत्र में यह संख्या 86720 है एवं ग्रामीण क्षेत्र में यह संख्या 42947 है। इसी प्रकार तहसील में सिमान्त जनसंख्या के आंकड़ो को देखें तो ज्ञात होता है कि इस वर्ष तहसील में सिमान्त श्रेणी में कार्यरत कुल लोगो की संख्या 32648 है जिसमें से शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में यह संख्या क्रमशः 11516 एवं 21132 है। जनसंख्या का वह समुह जो वर्ष कुल महीने आंशिक रूप से किसी कार्य में संलग्न रहता है उसे सिमान्त श्रेणी में सम्मिलित किया जाता है। इसके विपरीत जनसंख्या का वह समुह जो वर्षभर किसी भी प्रकार के कार्य में प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष रूप से सम्मिलित नहीं रहा हो ऐसे जनसंख्या वर्ग को अकार्यशील जनसंख्या के अन्तर्गत रखा जाता है। चौंमू

ISSN(Online): 2319-8753

ISSN (Print): 2347-6710

International Journal of Innovative Research in Science, Engineering and Technology

(A High Impact Factor & UGC Approved Journal)

Website: www.ijirset.com

Vol. 6, Issue 8, August 2017

तहसील में अकार्यशील लोगों की कुल संख्या वर्ष 2011 में 232694 पायी गई है, जिसमें से 107431 शहरी क्षेत्रों में तथा 125263 नगरीय क्षेत्रों में पाए गए है। विभिन्न प्रकार की आर्थिक गतिविधियों में संलग्न जनसंख्या के आंकड़ों को चौंमू तहसील के संदर्भ में देखें तो ज्ञात होता है कि इस तहसील में जनसंख्या का अधिकांश प्रतिशत कृषि कार्य में संलग्न पाया गया है। वर्ष 2011 के आंकड़ों के अनुसार तहसील में कुल कृषि कार्य करने वाले लोगो की संख्या 65320 थी जिसमें से 35249 शहरी क्षेत्र में कार्यरत थे जबकि ग्रामीण क्षेत्र में यह संख्या 30071 पायी गई है।

तालिका संख्या : 04

चौंमू तहसील में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में जनसंख्या की व्यवसायिक संरचना

विवरण	कुल	शहरी	ग्रामीण
मुख्य कार्यशील	129,667	86,720	42,947
काश्तकार	65,320	35,249	30,071
खेतीहर मजदूर	5,264	2,968	2,296
घरेलू उद्योगो में कार्यरत	3,786	2,523	1,263
अन्य कार्यशील	55,297	45,980	9,317
सिमांत कार्यशील	32,648	11,516	21,132
अकार्यशील	232,694	107,431	125,263

स्रोतः ब्लॉक सांख्यिकी रूपरेखा, चौमू–2016

काश्तकारी के पश्चात् चौंमू तहसील में दूसरा सर्वाधिक किया जाने वाला कार्य कृषि मजदूरी का है। आंकड़ों पर दृष्टि डालें तो ज्ञात होता है कि वर्ष 2011 के अनुसार चौंमू तहसील में खेतीहर मजदूरी का कार्य करने वाले लोगो की कुल संख्या 5264 थी, जिसमें से शहरी क्षेत्र में इस कार्य को करने वाले लोगो की कुल संख्या 2968 थी जबकि ग्रामीण क्षेत्रो में यह संख्या 2296 थी खेतीहर मजदूरी के पश्चात् तहसील में घरेलू उद्योगो में कार्यरत लोगो की जनसंख्या भी सर्वाधिक पायी गई है। तहसील में ऐसे लोग जो किसी भी

ISSN(Online): 2319-8753
ISSN (Print): 2347-6710

IJIRSET

International Journal of Innovative Research in Science, Engineering and Technology
(A High Impact Factor & UGC Approved Journal)
Website: www.ijirset.com
Vol. 6, Issue 8, August 2017

प्रकार के घरेलू उद्योगो में कार्य कर रहे है, वर्ष 2011 के अनुसार ऐसे कार्य करने वालो की संख्या 3786 थी। इस वर्ष तहसील के शहरी क्षेत्र में घरेलू उद्योगो में कार्यरत लोगों की संख्या 2523 थी। जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में यह संख्या 1263 थी। उपरोक्त के अतिरिक्त तहसील में अन्य कार्यशील जनसंख्या के अन्तर्गत लोगो की कुल संख्या 55297 पायी गई है। अन्य कार्यशील जनसंख्या के अन्तर्गत सरकारी कर्मचारीयों एवं अन्य किसी भी प्रकार के कार्यो में संलग्न लोगों को सम्मिलित किया जाता है। वर्ष 2011 के आंकड़ो के अनुसार शहरी क्षेत्रों में अन्य कार्यशील लोगो की संख्या 45980 तथा ग्रामीण क्षेत्रों में अन्य कार्यशील लोगो की संख्या 9317 है।

साक्षरता :

जनसंख्या संरचना में शिक्षा का विशेष महत्व होता है। शिक्षा के आधार पर ही समाज की नीवं पड़ती है। विकसित तथा अविकसित अवस्था की स्थिति समाज में शिक्षित लोगों पर निर्भर करती है। इसलिए जनसंख्या संरचना के विभिन्न घटकों में शिक्षा भी अहम् भूमिका रखती है। जनसंख्या का साक्षर होना किसी भी देश की विकासशील अर्थव्यवस्था के लिए आवश्यक है, शिक्षित श्रमिक चाहे उद्योग में कार्य करें या कृषि कार्य करें वह पुरातन विचारों से दूर रहते हुए नये 'विचार एवम् तकनीक से उत्पादन वृद्धि में सहयोग करते हैं।

चौमूँ तहसील की साक्षरता दर 62.18: है जिसमें से 73.36: पुरुष साक्षर हैं और 50.04: महिलाएँ साक्षर हैं। चौमूँ का कुल क्षेत्रफल 680.77 वर्ग किमी है और जनसंख्या घनत्व 580 प्रति वर्ग किमी है। कुल जनसंख्या में से 81.73 प्रतिशत जनसंख्या शहरी क्षेत्र में तथा 18. 27 प्रतिशत ग्रामीण क्षेत्र में निवास करती है। तहसील में सर्वाधिक साक्षरता उत्तरी एवं दक्षिणी क्षेत्र के कंवरपुरा, टांकरडा, विमलपुरा ग्रामों में है जिसका मुख्य कारण इन क्षेत्रों शिक्षा ग्रहण करने की पर्याप्त सुविधाएं है। अधिक साक्षरता तहसील के उत्तरी–पश्चिमी,

ISSN(Online): 2319-8753

ISSN (Print): 2347-6710

IJIRSET

International Journal of Innovative Research in Science, Engineering and Technology

(A High Impact Factor & UGC Approved Journal)

Website: www.ijirset.com

Vol. 6, Issue 8, August 2017

मध्यवर्ती, दक्षिणी भागों के कुछ ग्रामों में है। मध्यम साक्षरता तहसील के मध्यवर्ती, उत्तरी, पूर्वी तथा पश्चिमी भाग में मिलती है। कम साक्षरता तहसील के दक्षिणी पश्चिमी एवं मध्यवर्ती के कुछ भागों में मिलती है। यहाँ साक्षरता का प्रतिशत कम होने का कारण अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति का अधिक होना है । क्षेत्र में साक्षरता का स्तर कम होने का कारण समस्त जनसंख्या का ग्रामीण होना, लोगों की आर्थिक स्थिति कमजोर होना तथा ग्रामीण क्षेत्र होने के कारण पर्याप्त शिक्षा सुविधाओं का अभाव होना है।

निष्कर्ष :

उपरोक्त अध्ययन के उपरांत सारांश के आधार पर यह कहा जा सकता है कि चौंमू तहसील में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में जनसंख्या के वितरण में विषमता पायी जाती है। ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यशील जनसंख्या का प्रतिशत अधिक पाया गया है। इसके विपरीत शहरी क्षेत्रों में यह प्रतिशत तुलनात्मक रूप से कम पाया गया है। इसी प्रकार तहसील में साक्षरता का प्रतिशत शहरी क्षेत्रों में अधिक पाया गया है। जबकि ग्रामीण क्षेत्रो में साक्षरता का प्रतिशत शहरी क्षेत्र की तुलना में कम पाया गया है। तहसील के जनसंख्या वृद्धि के रूख को देखें तो आंकड़ों से ज्ञात होता है कि वर्ष 2001 से वर्ष 2011 के मध्य तहसील में जनसंख्या में वृद्धि दिखाई देती है। वर्ष 2001 में जहां तहसील की जनसंख्या 275780 थी जो बढकर वर्ष 2011 में 395009 हो गई। इस प्रकार ज्ञात होता है कि इस दशक में तहसील की जनसंख्या में 119229 की रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज की गई।

ISSN(Online): 2319-8753
ISSN (Print): 2347-6710

IJIRSET

International Journal of Innovative Research in Science, Engineering and Technology
(A High Impact Factor & UGC Approved Journal)
Website: www.ijirset.com
Vol. 6, Issue 8, August 2017

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1. जनगणना प्रतिवेदन, भारतीय जनगणना विभाग, 2001 एवं 2011।
2. प्रसाद, राजेन्द्र (2002), ''परिवर्तित भूमि उपयोग और भूमि अवनयन की समस्याऐं–साहिबी नदी क्षेत्र'', अप्रकाशित शोध प्रबन्ध, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर
3. श्री चन्द, (2005), ''भरतपुर जिले में सिंचित कृषि विस्तार का एक कृषि भौगोलिक अध्ययन।'' अप्रकाशित शोध प्रबन्ध राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर।
4. तिवारी, आर.सी. एवं सिंह, वी.एन. (2010), ''कृषि भूगोल'', प्रयाग पुस्तक भवन, इलाहाबाद।
5. महवर गोपीलाल व प्रसाद रामा (2010) : राजस्थान में भूमि उपयोग का भौगोलिक विश्लेषण ॲनाल्स अंक XXVII पृष्ठ 210–217
6. वल्केन, गर्ग, वी. : ''एलीमेन्ट्स ऑफ पॉलिटीकल ज्योग्राफी'' पृष्ठ 63
7. ओझा, रघुनाथ (1994) : ''जनसंख्या भूगोल' प्रतिमा प्रकाशन, कानपुर, पृष्ठ 134